

जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर फोन-0141-2560064

सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

email-jaipurjainsabha@gmail.com

www.jaipurjainsabha.com

सुदीप बगड़ा

अध्यक्ष

9829433096

डॉ. विनय सोनी

उपाध्यक्ष

9829060106

प्रतीक लुहाडिया

सहमंत्री

9414074141

एकेन्द्र जैन

कोषाध्यक्ष

9829059493

डॉ. रश्मि कोव्यारी

महामंत्री

9829086828

सदस्य

राज प्रमोद शाह
जौहरी बाजार- 9414795342

इन्द्र कुमार जैन
10बी- 9829160927

अनिल छाबडा

मधुबन- 9887262673

रवि प्रकाश जैन
मानसरोवर- 9414074872

उमेश काला

जय जवान- 9829220152

राजीव जैन

आदर्श नगर- 9829060006

राजेश जैन

टॉक रोड़- 9414044732

विदित अजमेरा

महारानी फार्म- 7737070026

मालती जैन

मानसरोवर- 9829081840,

विपिन खिन्दुका

किशनपोल- 9829018119

निर्मल कटारिया

शास्त्री नगर- 9414074707

आलोक जैन

बापू नगर- 9414070741

विजय कुमार जैन

सी-स्कीम- 9829060913

पंकज सांघी

जय जवान- 9414044990

आलोक सोनी

केशव विहार- 9351313572

संजय कुमार वैद्य

जौहरी बाजार- 8947051002

संजय गोधा,

जवाहर नगर- 9829061078

प्रवीण निगोतिया

सी-स्कीम- 9314504233

अशोक कुमार जैन

त्रिवेणी नगर- 9414461882

मनोज सोगानी

दुर्गापुरा- 9829054737

दिनांक: 01-01-2019

आदरणीय,

जय जिनेन्द्र,

नूतनवर्ष हम सबके लिये मंगलकारी हो !

'जयपुर जैन सभा समिति' समाज को संगठित कर समग्र व चहँमुखी विकास हेतु समाज हित में अपने उद्देश्यों व सार्थक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जोड़ एवं उसके निर्माण में जागृति लाने का प्रयास कर रही है।

अपनी 'जयपुर जैन सभा समिति' के नववर्ष 2019 के कलेप्डर में जैन त्योहारों सहित सभी तीर्थकरों के कल्याण दिवस अंकित है एवं तीर्थकरों के जन्मदिवस, अष्टमी, चतुर्दशी, अठाईयां, तेले एवं याददास्ती कॉलम आदि भी विशेष रूप से दर्शाये गये हैं। अपने समाज में जागृति लाने हेतु आप लोगों से प्राप्त सुझावों में से कुछ सुझाव भी दिये गये हैं। यह कलेप्डर अपने सभी जैन मित्रों, रिश्तेदारों को वाट्सऐप पर भेज सहयोग कर सकते हैं जो पूरे वर्ष सभी के लिये उपयोगी रहेगा।

आदर्श समाज निर्माण में सहयोग देने हेतु आप 'जयपुर जैन सभा समिति' के आजीवन साधारण सदस्य या आजीवन परामर्श समिति के सदस्य बन कर समाज की सेवा में भागीदार बनकर योगदान दे सकते हैं।

शुभेच्छु

वास्ते जयपुर जैन सभा समिति

(सुदीप जैन बगड़ा)

समाज उत्थान हेतु दान वह है महादान



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निवारण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2075

पौष कृष्णा

JANUARY

माघ कृष्णा

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

याददास्ती

		पौष कृ. 11 1 जन्म-तपश्री चन्द्रप्रभ श्री पार्श्वनाथ	12 2	13 3	14 4 ज्ञान श्री शीतलनाथ	30 5
पौष शु. 1 6 गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती	प्र.2 7	द्वि.2 8	3 9	4 10 ज्ञान श्री अजितनाथ	5 11	6 12
7 13 माघ श्री अभिनन्दन	8 14 मकर संक्रांति	9 15	10 16 ज्ञान श्री शांतिनाथ	11 17	12 18	13 19
14 20 ज्ञान श्री अभिनन्दन	15+1 21 ज्ञान श्री धर्मनाथ	2 22	3 23	4 24	5 25 गणतन्त्र दिवस	6 26 गर्भ श्री पद्मप्रभु
7 27	8 28	9 29	10 30	11 31	14 जनवरी - मकर संक्रांति 26 जनवरी - गणतन्त्र दिवस	

- अपने नाम के आगे सरनेम के साथ जैन अवश्य लिखें।
- समाज का प्रत्येक सदस्य अल्पसंख्यक स्टीफिकेट बनवायें ताकि समाज को सामाजिक एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके।
- पति-पत्नि, परिवार एवं समाज में उत्पन्न मतभेदों का मिल बैठकर सुलझाने का प्रयास हो ताकि कोर्ट कच्छी एवं संबंधीयों में आने वाली कटुता से बचा जा सके जयपुर जैन सभा समिति भी आपकी लिखित सूचना पर उचित सहयोग एवं मार्गदर्शन दे सकती है।
- विवाह सहित सभी पारिवारिक मांगलिक कार्यक्रमों के लिये हम अपने प्रियजनों का आमंत्रण फोन, वाट्सएप, ऐसएमएस, कोरियर से स्वीकार कर सहयोग कर सकते हैं। यह समय की मांग भी है साथ ही हमारा व हमारे प्रियजनों का पैसा व समय भी बचेगा।
- निकासी में महिलाओं का सड़क पर नाचना निषेध रहना चाहिए।





जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2075

माघ कृष्णा

FEBRUARY

फालुन कृष्णा

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

यादास्ती

10 फरवरी-बसंत पंचमी
10 फरवरी-आचार्य श्री कुन्दकुन्द
जन्म दिवस

14

3

मोक्ष श्री आदिनाथ

30

4

ज्ञान श्री श्रेयांसनाथ

5

10

आचार्य श्री कुन्दकुन्द
जन्म दिवस बसंत पंचमी

6

11

ज्ञान श्री विमलनाथ

1

5

माघ शु.

7

6

2

7

प्र.-3

द्वि.-3

माघ कृ. 12
1
जन्म-तप
श्री शीतलनाथ

2

13

9

जन्म-तप
श्री विमलनाथ

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2075-76

फालुन कृष्णा

MARCH

चैत्र कृष्णा

2019

SUN

MON

WED

THU

FRI

SAT

यादास्ती

11

13 मार्च से 20 मार्च-अष्टाहिका पर्व
20 मार्च-होलिका दहन
21 मार्च- धुलण्डी

31

12

4

मोक्ष की मुननिसुव्रत

13

5

जन्म-तप श्री वासुपूजय

14

6

30

फालुन शु. 1

फालुन कृ. प्र. 11

1

ज्ञान श्री आदिनाथ
जन्म-तप श्री प्रयासनाथ

दि. 11

2

10

11

मोक्ष श्री मलिनाथ

4

12

मोक्ष श्री चन्द्रप्रभ

5

13

अष्टाहिका प्रारम्भ

6

14

गर्भ श्री संभवनाथ

7

15

चैत्र कृ.

16

17

18

19

होली का दहन

11

12

13

14+15

21

धुलण्डी

1

22

दूर करने

23

24

25

26

27

4

5

6

7

28

गर्भ श्री शीतलनाथ

8

29

जन्म-तप श्री आदिनाथ

30

- | |
|---------|
| 1..... |
| 2..... |
| 3..... |
| 4..... |
| 5..... |
| 6..... |
| 7..... |
| 8..... |
| 9..... |
| 10..... |
| 11..... |
| 12..... |
| 13..... |
| 14..... |
| 15..... |
| 16..... |
| 17..... |
| 18..... |
| 19..... |
| 20..... |
| 21..... |
| 22..... |
| 23..... |
| 24..... |
| 25..... |
| 26..... |
| 27..... |
| 28..... |
| 29..... |
| 30..... |
| 31..... |

दिखावा मुक्त समाज का निर्माण

दिखावेपन के झूटे अहंकार एवं प्रदर्शन से समाज विखण्डित हो रहा है। उसे दूर करने हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' की भावना है कि जन्म, विवाह, मृत्यु एवं त्योहारों आदि में होने वाले कार्यक्रम के नेक, शगुन, रीतिरिवाज, भोज आदि दिखावामुक्त हो समाज हित में व्यवहारिक नियम अपनायें।

तीर्थों की बैठक का समय अन्य समाजों के लिये अनुकरणीय उदाहरण है इसमें शांतिपाठ, णमोकार मंत्र का वाचन हो, शोक संदेशों के वाचन के बजाय मृतक की संक्षिप्त जीवनी एवं समाज को योगदान के बारे में बताया जा सकता है। तीर्थों की बैठक की सूचना जो समाचारपत्रों में दी जाती है यथासंभव उसमें निवास का पता अथवा फोन नम्बर अवश्य देने चाहिए।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



ન

જયપુર જૈન સભા સમિતિ

કાર્યાલય: શ્રી દિગ્મબર જૈન મંદિર યત્યિશોદાનંદજી, ચૌડા રાસ્તા, જયપુર
સચ કહને કા શિષ્ટતાપૂર્ણ સાહસ

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



દીર નિવારણ સંવત્ત
2545
વિક્રમ સંવત્ત
2076

ચૈત્ર કૃષ્ણા

APRIL

ਬૈસાખ કૃષ્ણા

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

યાદદાસ્તી

	ચૈત્ર કૃ. 12	પ્ર. 13	દ્વિ. 13	14	30	ચૈત્ર શુ. 1	
1	2	3	4	5	6		
2	3	4	5	6	7	ગર્ભ મલિનાથ	
7	8	9	10	11	12	13	
9+10	11	12	13	14	15	વૈશાખ કૃ. 1	
14	મોકાર અર્હનથ જન્મ-તપ જ્ઞાનમોક્ષ સુમતિ નાથ	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	
28	29	30		17 અપ્રેલ-મહાવીર જયન્તી			
જાન મુનિસુવ્રત	જાન મુનિસુવ્રત						

અભિષેક

શ્રીજી કી પ્રતિમા કે જલ સે અભિષેક કરને કે બાદ પ્રતિમા કો અચ્છી તરહ સે પોંછ કર સાફ કરેં વ વિશોષ ધ્યાન રરવેં કિ ઉસમેં જલ નહીં રહે। **પ્રતિમા મેં જલ રહ્યા સે** અનજાને મેં હિંસા, અવિનય વ પ્રતિમા કા ક્ષરણ હોતા હૈ। ગંદોધક હેતુ છોટી પ્રતિમા કો થાલી મેં વિરાજમાન કર અભિષેક કરેં। અચ્યુ સમી પાષણ વ ધાતુઓં કી પ્રતિમાઓં કો પહલે ગીલે કપડે સે ફિર સૂરતે કપડે પોંછે ઇઝસે પ્રતિમા મેં આકર્ષણ વ ચમક ભી બની રહતી હૈ વ પૂરા પુણ્ય મિલતા હૈ।

ન

આદર્શ સમાજ નિર્માણ હેતુ 'જયપુર જૈન સભા સમિતિ' કે સદર્શ્ય બનિયે।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निवारण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2076

बैशाख कृष्णा

MAY

ज्येष्ठ कृष्णा

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

यादास्ती

7 मई-अक्षय तृतीया

बैशाख क. 12

13

14

30

1

2

3

4

बैशाख शु. 1

5
जन्म-तप मोक्ष
कुथुनाथ

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

गर्भ धर्मनाथ

ज्येष्ठ कृ. 1

12

13

9

14
ज्ञान महावीर

10

15

16

13

17

18

15

गर्भ धर्मनाथ

दिं. 7

19

20

2

21

3

22

23

4

24

25

प्र.7

दिं. 7

26

27
गर्भ श्रेयांसाथ

8

28

9

29

30

10

31

गर्भ विमलनाथ

गर्भ विमलनाथ

जन्म-तप अनन्तनाथ

- 1.....
- 2.....
- 3.....
- 4.....
- 5.....
- 6.....
- 7.....
- 8.....
- 9.....
- 10.....
- 11.....
- 12.....
- 13.....
- 14.....
- 15.....
- 16.....
- 17.....
- 18.....
- 19.....
- 20.....
- 21.....
- 22.....
- 23.....
- 24.....
- 25.....
- 26.....
- 27.....
- 28.....
- 29.....
- 30.....
- 31.....

मूर्तियों के परिमार्जन (सफाई) के लिये आवश्यक सामग्री

अरीठा (बीज निकालकर ठिलके सहित गर्भ पानी में ठबाल लें), मीठा सोडा, जींबू, मूंज (कूंची), माणक रेती, सलाई, प्रासुक गर्भ जल, रेजी का कपड़ा (रूमाल) डेढ़ से दो फिट के, सूखे गोले का चूरा ताजा कद्दूकस से, थाल बड़े किनारे वाले, चोकियाँ, तसले, कलश, टंकी आदि, टब व पोंछे के कपड़े सफाई हेतु।

विषेष:- स्नान कर धोती, दुपट्टा पहनें, केवल उच्ची मूर्तियों को अपने स्थान से उठाएं जिन्हें आसानी से उठा सकते हैं बड़ी व भारी प्रतिमाओं का परिमार्जन (सफाई) उसी स्थान पर करें। (जो बार णमोकार मंत्र का ठच्चारण कर कार्य की शुरूआत एक टीम बनाकर करें)

धातु की मूर्तियाँ, यंत्रों आदि की परिमार्जन (सफाई) विधि

सर्वप्रथम श्रीजी को सूखे कपड़े से अच्छी तरह से पोंछें, उसके बाद थोड़ा प्रासुक गर्भ जल डालकर गीला कर लें, फिर हाथ में माणक रेती लेकर मूर्ती पर हल्के हाथ से सब तरफ लगाएं, तत्पश्चात जींबू से पूरी मूर्ती या यंत्र आदि को तब तक रगड़े जब तक उस पर जमें हुए कण (कालापन) पूरी तरह से ना निकल जावे, उसके बाद प्रासुक गर्भ जल डालें फिर सलाई से मूर्ती पर रह गये जींबू के रेशों व रेत के कणों को निकालें सूखे कपड़े से पूरी मूर्ती को अच्छी तरह से पोंछें और यह ध्यान रखें कि कहीं पर भी जल व रेत का कोई अंश नहीं रहे, कार्य पूर्ण होने पर मूर्ती को यथा स्थान विनायपूर्वक विराजमान कर देवें।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2076

ज्येष्ठ कृष्णा

JUNE

आषाढ़ कृष्णा

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

यादास्ती

13

7 जून - श्रुतपंचमी

30

जयेष्ठ कृ. 13

1

14

2
जन्म-तप मोक्ष शांतिनाथ

30

ज्येष्ठ शु. 1

3
गर्भ अजितनाथ

4
5

6
मोक्ष धर्मनाथ

7
श्रुतपंचमी

8

7

9
10

8

9

10

11

12

13

14

16
17

15

आषाढ़ कृ. 1

2

3

4

5

6

23
गर्भ वासुपूज्य

7

8

9

10

11

12

13

24
25

14

15

16

17

18

19

15

26
जन्म-तप नमिनाथ

16

17

18

19

20

21

17

27
जन्म-तप नमिनाथ

18

19

20

21

22

23

19

28
जन्म-तप नमिनाथ

20

21

22

23

24

25

21

29

22

23

24

25

26

27

23

30

24

25

26

27

28

29

25

30

26

27

28

29

30

31

पाषाण की मूर्तियाँ की परिमार्जन (सफाई) विधि

सर्वप्रथम श्रीजी को सूखे कपड़े से पोछ ले, उसके बाद थोड़ा प्रासुक गर्भ जल डालकर गीला कर लें, फिर हाथ में मीठा सोड़ा लेकर श्रीजी पर सब जगह धीरे धीरे लगाये, तत्पश्चात मूँज को अरीठे के गर्भ पानी में डुबो कर मूर्ती पर धीरे-धीरे रगड़े, उसे सब जगह तब तक रगड़े जब तक झांग जा बन जाए, बीच-बीच में अरीठा के छिलके लेकर उन्हें भी मूर्ती पर हल्के हाथ से मलें, फिर अरीठे का गर्भ जल मूर्ती पर डालें उसके बाद सलाई से जगह-जगह फंसे अरीठें के छिलके व सोड़ा आदि को निकालें तत्पश्चात प्रासुक गर्भ जल डाले, फिर सूखे कपड़े से पूरी मूर्ती को साफ करे यह ध्यान रखें कि अब मूर्ती पर जल का कोई भी अंश बाकी नहीं है फिर सूखे कपड़े में नारियल के चूरे को थोड़ा भर गोला (पुलटिस) बना कर मूर्ती पर धीरे-धीरे मसलें इससे पाषण की मूर्ती पर चमक आजावेगी। कार्य पूर्ण होने पर मूर्ती को यथा स्थान विनियोग्यक विराजमान कर देवें।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।

ન

જયપુર જૈન સભા સમિતિ

કાર્યાલય: શ્રી દિગ્મબર જૈન મંદિર યત્યિશોદાનંદજી, ચૌડા રાસ્તા, જયપુર
સચ કહને કા શિષ્ટતાપૂર્ણ સાહસ

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



દીર્ઘ નિવારણ સંવત્ત
2545
વિક્રમ સંવત્ત
2076

આષાઢ કૃષ્ણા

JULY

શ્રાવણ કૃષ્ણા

2019

યાદદાસ્તી

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

આષાઢ કૃ. 14

1

30

આષાઢ શુ. 1

2

3

4

5+6

7

ગર્ભ મહાવીર

8

મોક્ષ નેમિનાથ

7

8

9

9

10

10

11

11

12

12

13

14

15

14

16

15

શ્રાવણ કૃ. 1

1

17

17

18

18

19

19

20

20

4

21

22

5

23

6

24

7

25

8

26

9

27

10

11

28

29

12

30

13

31

14

9 જુલાઈ સે 16 જુલાઈ - અષ્ટાન્હિકાવ્રત

17 જુલાઈ - વીર શાસન જયન્તી

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

મંદિરજી કી વ્યવરથાઓં મેં અપના સમય વ શ્રમ પ્રદાન કર કર્તવ્ય નિભાએ

ન
ન
ન
ન

પ્રત્યેક દર્શનાર્થી સે અપેક્ષા હૈ કી વહ કમ સે કમ મહિને મેં એક દિન 15 મિનિટ કા સમય મંદિરજી કી સેવા વ્યવરથા કે જિસ ભી કાર્ય મેં સહયોગ કરના ચાહે ઠસે કરના ચાહિયે એવં દૂસરોં કો ભી પ્રેરિત કરના ચાહિયે। બદ્ધોને જિવેદન હૈ કી વહ ઇસ કાર્ય હેતુ બચ્ચોનો અવકાશ વ રવિવાર કો મંદિરજી અવશ્ય ભેજે તાકિ ઠજમેં ત્યાગ કી ભાવના સહિત અપજે ધર્મ કે પ્રતિ આસ્થા જાગૃત હો વ હમારી ધરોહરાનો કી સમુચિત દેરવભાલ વ સુરક્ષા હો।

જૈસે- વેદિયોની સફાઈ, છત-મામણલોની સફાઈ, શાસ્ત્રોની વ પુરુતકોની સંભાલકર સહી સ્થાન પર સફાઈ કરકે જમાના આદિ આદિ કાર્ય।

આદર્શ સમાજ નિર્માણ હેતુ 'જયપુર જૈન સભા સમિતિ' કે સદર્શ બનિયે।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2076

श्रावण कृष्णा

AUGUST

भाद्रपद शुक्ला

2019

SUN

MON

WED

THU

FRI

SAT

यादास्ती

10 अगस्त-सौभाग्य दशमीव्रत
15 अगस्त-स्वतंत्रता दिवस
15 अगस्त-रक्षाबधन
16 अगस्त से 15 सितम्बर तक षोडसकारणव्रत
21 अगस्त-चन्दन पञ्ची
23 अगस्त-जन्माष्टमी
30 अगस्त से 1 सितम्बर लाल्हि विधान तेला

4

5

6
जन्म-तप नेमिनाथ

7
मोक्ष पाश्वर्नाथ

श्रावण कृ. 15
श्रावण शु. १

1

2
गर्भ सुमतिनाथ

2

3

8

9

10

11

12

13

14

स्वतंत्रता दिवस
15
स्वतंत्रता दिवस
मोक्ष श्रेयासनाथ

भाद्र कृ. 1

16

17
ज्ञान वासुपूज्य

18

19

20

21

गर्भ शांतिनाथ

23

24

25

26

27

28

29

30

31

- 1.....
2.....
3.....
4.....
5.....
6.....
7.....
8.....
9.....
10.....
11.....
12.....
13.....
14.....
15.....
16.....
17.....
18.....
19.....
20.....
21.....
22.....
23.....
24.....
25.....
26.....
27.....
28.....
29.....
30.....
31.....

संस्कार व मर्यादा



आचरण से सिद्धान्तों को पालकर एक समय था जब हम जैनी करोड़ों की संख्या में थे और आज हम 1 प्रतिशत से भी काफी कम संख्या में हैं और शून्य की तरफ बढ़ रहे हैं, सोचना होगा क्यूं? अज्ञानतावश हम लोग अपने धर्म के साथ-साथ अन्य धर्मों से भी जुड़ते जा रहे हैं, अपने बच्चे व कोई भी अजैन यदि हमसे पूछे कि हमें जैनधर्म क्यों अपनाना चाहिये उसका संतोषजनक जवाब हम अपनी अज्ञानतावश नहीं दे पा रहे हैं दैनिक पूजापाठ, रात्रि भोजन त्याग, जैन कुल में जन्म ही हमारी पहिचान ज हो अपने धर्म की विशेषताओं और उनका हमारे जीवन में उपयोगिता का ज्ञान होना अतिआवश्यक है।

बच्चों को धर्म का ज्ञान देने एवं संस्कारित करने हेतु आयोजन करने चाहिये। पूर्व की भाँति मंदिरों में शास्त्र वाचन, प्रवचन की व्यवस्था होनी चाहिये।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निवारण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2076

भाद्रपद शुक्ला

SEPTEMBER

आश्विन शुक्ला

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

याददास्ती

भाद्रवद शु. 3

1

4

उत्तमक्षमा 5

3

उत्तम मार्दव 6

4

गर्भ सुपाश्वर्नाथ

उत्तम आर्जव 7

5

उत्तम शौच 8

6

उत्तम सत्य 9

7

उत्तम संयम 10

8

सुगंध दशमी

उत्तम तप 11

9

उत्तम त्याग 12

10

उत्तम अकिञ्चन 13

11

उत्तम ब्रह्मचर्य 14

12

अनन्त चतुर्दशी नोक्ष वासुपूज्य

प्र.15

13

द्वि.15

14

आश्विन कृ.1

15

2

16

गर्भ नमिनाथ

3

17

4

18

5

19

6

20

7

21

8

9

10

11

12+13

14

30

22

23

24

25

26

27

28

आश्विन शु.1

29

30

1 सितम्बर-रोट तीज व चौबीसीव्रत

3 सितम्बर से 7 सितम्बर-पृष्ठांजलिव्रत

3 सितम्बर से 12 सितम्बर-दशलक्षणव्रत

5 सितम्बर-निर्दोष सप्तमीव्रत

8 सितम्बर-सुगंध दशमी

10 सितम्बर से 12 सितम्बर कर्मनिर्जरा तेला

11 सितम्बर से 14 सितम्बर रत्नत्रयव्रत व तेला

12 सितम्बर-अनन्त चतुर्दशी व दशलक्षण समापन कलश

15 सितम्बर-सोडसकारण समापन कलश व क्षमावाणी

- 1.....
- 2.....
- 3.....
- 4.....
- 5.....
- 6.....
- 7.....
- 8.....
- 9.....
- 10.....
- 11.....
- 12.....
- 13.....
- 14.....
- 15.....
- 16.....
- 17.....
- 18.....
- 19.....
- 20.....
- 21.....
- 22.....
- 23.....
- 24.....
- 25.....
- 26.....
- 27.....
- 28.....
- 29.....
- 30.....

अहिंसा की रक्षा में समाज का एक और कदम

- दाहसंस्कार के बाद श्रुद्धांजली सिर्फ केवल हाथ जोड़कर या सूखे नारियल की चिटकी से ही अप्रित करें।
- **जयपुर जैन सभा समिति** के प्रयासों से चाँदपोल शमसान में नहा विद्युत शवदाह गृह चालू हो गया है।
- अंतिम संस्कार लकड़ी की चिता में नहीं बल्कि विद्युत शवदाह गृह में ही किया जाये, जिससे कि हम अंतिम समय में भी वनों की कटाई, प्रदूषण व अनजाने में हो रही हिंसा से बचकर पर्यावरण एवं अपने मानव धर्म अहिंसा का सम्मान कर सकें।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545
विक्रम संवत्
2076

आश्विन शुक्ला

OCTOBER

कार्तिक शुक्ला

2019

SUN

MON

TUE

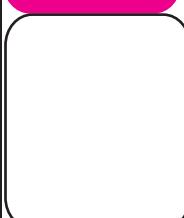
WED

THU

FRI

SAT

याददास्ती



आश्विन शु. 3

1

4

5

6

7



8

9

10

11

12

13

14



15

कार्तिक कृ. 1

15

16

3

4

5

6



13

14

गर्भ अनन्तनाथ

15

16

17

18

19



20

21

22

23

24

25

26



7

8

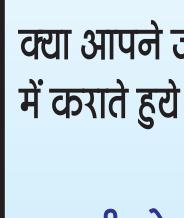
9

10

11

12

13



14-15

कार्तिक शु. 1

28

29

3

4

2 अक्टूबर - गांधी जयन्ती

8 अक्टूबर - विजय दशमी

27 अक्टूबर - दीपावली, महावीर निर्वाणोउत्सव

वीर निर्वाण सम्बत 2546 प्रारंभ

29 अक्टूबर - भैया दोज

- 1.....
2.....
3.....
4.....
5.....
6.....
7.....
8.....
9.....
10.....
11.....
12.....
13.....
14.....
15.....
16.....
17.....
18.....
19.....
20.....
21.....
22.....
23.....
24.....
25.....
26.....
27.....
28.....
29.....
30.....
31.....

मनन करें

रात्रि में पूजन एवं विधान आगम विलङ्घ है अतः जैनत्व की रक्षा के लिये सूर्यास्त से पूर्व दिन में फेरे (पणिग्रहण संरक्षण) करें व इसका दृढ़ता से पालन करवाने में सहयोगी बने।

क्या आपने जैन सहित किसी भी धर्म को मानने वाले को नये घर में प्रवेश हेतु किये जाने वाले पूजन, हवन को रात्रि में कराते हुये देखा है? यदि नहीं तो फिर क्यों अपनी बहन, बेटी या बहु जो अपने पति के साथ नये घर में प्रवेश करेगी उसका जिनेन्द्र भगवान के सामने पूजन, हवन (फेरे) रात्रि में क्यों करें?

शादी के एक दिन पहले सगाई की रस्म की अदायगी नहीं होनी चाहिये इसका दिखावे के अलावा कोई भी औचित्य नहीं है, दहेज का प्रदर्शन नहीं होना चाहिये।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निर्वाण संवत्
2545-46
विक्रम संवत्
2076

कार्तिक शुक्ला

NOVEMBER

मंगसिर शुक्ला

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

यादास्ती

4 नवम्बर से 12 नवम्बर तक
अष्टाह्निका व्रत एवं पर्व

कार्तिक शु. 5

6

1

2

गर्भ नेमिनाथ

7

8

9

प्र.10

द्वि.10

11

12

3

4

5

6

7

8

9

13

14

15

मंगसिर कृ. 1

2

3

4

10

11

12

13

14

15

16

5

6

7

8

9-10

11

12

17

18

19

20

21

22

23

13

14

30

मंगसिर शु. 1

2

3

4

24

25

26

27

28

29

30

- 1.....
2.....
3.....
4.....
5.....
6.....
7.....
8.....
9.....
10.....
11.....
12.....
13.....
14.....
15.....
16.....
17.....
18.....
19.....
20.....
21.....
22.....
23.....
24.....
25.....
26.....
27.....
28.....
29.....
30.....

दिखावा मुक्त समाज का निर्माण



- पंच परमेष्ठी का अविनय नहीं होवे इसलिये पंचपरमेष्ठी की फोटो, आमंत्रण पत्रिका व पोस्टर में नहीं छपवाना चाहिये हम सब जानते हैं कि इनका क्या हश्र होता है अतः इसका दृढ़ता से पालन करवाने में सहयोगी बने।
- शादी/समारोह में अधिकतम 21 व्यंजन ही बनायें। थाली में झंठन न छोड़े। भोजन बरवादी में सहयोगी बन पाप के भागी न बने एवं इसका दृढ़ता से पालन करवाने में सहयोगी बने।
- शादी कार्ड (आमंत्रण पत्रिका) में सिर्फ जैन प्रतीकों एवं श्लोकों का प्रयोग होना चाहिये।
- तप, साधना, व्रत, उपवास यह धर्म की अराधना के लिए हैं इसलिये इसमें सादगी रहनी चाहिये।

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।



जयपुर जैन सभा समिति

कार्यालय: श्री दिग्म्बर जैन मंदिर यतियशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस

e-mail:jaipurjainsabha@gmail.com www.jaipurjainsabha.com Tel.: 0141-2560064



वीर निवारण संवत्
2546
विक्रम संवत्
2076

मंगसिर शुक्ला

DECEMBER

पौष शुक्ला

2019

SUN

MON

TUE

WED

THU

FRI

SAT

याददास्ती

मार्गशीर्ष शु. 5

1

6

7

8

9

10

11

प्र.12

द्वि-12

13

14

15

पौष कृ. 1+2

3

8

9

10

11

जन्म-तप अरनाथ

12

तप संभवनाथ

13

ज्ञान मल्लिनाथ

14

4

5

6

7

8

9

10

15

16

17

18

19

20

21

11

12

13

14

30

पौष शु. 1

2

22

23

24

25

क्रिसमस दिवस
ज्ञान शीतलनाथ

26

27

28

3

4

5

25 दिसम्बर - क्रिसमस दिवस

29

30

31

ज्ञान अजितनाथ

- 1.....
- 2.....
- 3.....
- 4.....
- 5.....
- 6.....
- 7.....
- 8.....
- 9.....
- 10.....
- 11.....
- 12.....
- 13.....
- 14.....
- 15.....
- 16.....
- 17.....
- 18.....
- 19.....
- 20.....
- 21.....
- 22.....
- 23.....
- 24.....
- 25.....
- 26.....
- 27.....
- 28.....
- 29.....
- 30.....
- 31.....

आदर्श समाज निर्माण हेतु 'जयपुर जैन सभा समिति' के सदस्य बनियें।

सदस्यता : (i) जयपुर का प्रत्येकजैन निवासी 'जयपुर जैन सभा समिति' में सदस्यता फार्म भरने के साथ 500/- रुपया जमा करवा कर आजीवन साधारण सदस्य बन सकता है।

(ii) जयपुर का प्रत्येकजैन निवासी अपने जीवन साथी (पति/पत्नि) के साथ 'जयपुर जैन सभा समिति' में सदस्यता फार्म भरने के साथ 5,000/- रुपया जमा करवा कर आजीवन **परामर्श समिति** का सदस्य बन सकते हैं।

परामर्श समिति- (i) परामर्श समिति के सदस्य पूरे समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली समिति कहलायेगी, इसलिये प्रबंध समिति व परामर्श समिति द्वारा लिये गये निर्णय व किये गये कार्य पूरे समाज द्वारा लिये गये निर्णय कहलायेंगे।